Raj Express (Indore), 28th July 2021, Page-2

उपलब्धि

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में दक्षिण एशिया का प्रतिनिधित्व किया

आईआईटी की सहायक प्रोफेसर अनन्या की उपलब्धि

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर ने ह्यूमैनिटीज़ पेडागॉजी कलेक्टिव द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में दक्षिण एशिया का प्रतिनिधित्व किया। 25 से अधिक प्रमुख यूनिवर्सिटी, स्कूलों और कॉलेजों ने इसमें भाग लिया। सम्मेलन में अंग्रेजी के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनन्या घोषाल ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य महामारी के बाद की दुनिया में 21वीं सदी में शिक्षकों, विद्वानों व योगदानकर्ताओं को सभी विषयों से जोड़ना और मानविकी के लिए नए शिक्षण अन्वेषण करना था। डॉ. घोषाल सम्मेलन के उद्घाटन और समापन दोनों के लिए पैनलिस्ट थी। उन्होंने इंटीग्रेटिंग इको सिनेमा, एंड द डिजिटल एंथ्रोपोसीन इन एजुकेशनः न्यू टेम्पोरेलिटिज एंड क्रिएटिव रिस्पोंसेस पर एक वार्ता प्रस्तुत की। एक केस स्टडी के रुप में आईआईटी इंदौर की स्नातक कक्षाओं को पढ़ाने के अपने अनुभवों को आकर्षित करते हुए उन्होंने एंथ्रोपोसीन को समझने के लिए एक उपकरण के रुप में सिनेमा के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पारिस्थितिक रुप से सूचित मानवतावादी छात्रवृत्ति अभी तक कक्षाओं में अच्छी तरह से स्थापित नहीं हुई है और विशुद्ध रुप से सैद्धांतिक व पृथ्वी आधारित, जमीनी, समावेशी दृष्टिकोणों से परे मानविकी पाठ्यक्रम में बदलाव की वकालत की। उनका उद्देश्य आउटरीच, भागीदारी, शिक्षा और संगठन के माध्यम से परिवर्तन के लिए मानव-पर्यावरीयण मुद्दों को सक्रिय हस्तक्षेपों में अर्थपूर्ण रुप से अनुवाद करना था। उन्होंने यह भी कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसी, दिन की सबसे अधिक दबाव वाली चुनौतियों का जवाब देने के लिए कक्षाओं को भी पुनर्निर्देशित किया जाना चाहिए।

सम्मेलन में यह रहे प्रमुख

सम्मेलन का आयोजन कार्यशालाओं, अनुसंधान, संगोष्ठियों, सहयोगी कार्य समूहों, शिक्षाशास्त्र प्रदर्शनों व बिजली वार्ता के द्वारा किया गया। चर्चा, नई कक्षा शिक्षाशास्त्र, प्रौद्योगिकी की भूमिका, कक्षा के स्थानांतरित स्थान और एक अधिक छात्र केंद्रित अध्यापक के बारे में विशिष्ट प्रश्नों के आसपास विकसित हुई, जिसे असंख्य ग्रंथों, संदर्भों, लोगों व विचारों में व्यापक कनेक्शन द्वारा मजबूत किया जा सकता है।